लखनऊ, रविवार
26 अगस्त 2018
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 28+4+4+4=40

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

नौसेना के लिए खरीदे जाएंगे 111 यूटिलिटी हेलीकॉप्टर 3
1984 के सिख दंगों में शामिल नहीं थी कांग्रेस : राहुल 3

लखनऊ, रविवार, 26 अगस्त 2018

जागरण सिटी

दैनिक जागरण
लखनऊ

सप्तरंग
टेक गाइड
10 गलतियां जो करते हैं हम...
II

मौनी रॉय का यू-टर्न III www.jagran.com

हरित ऊर्जा समय की जरूरत

जागरण संवाददाता, लखनऊ : स्वच्छ पर्यावरण के लिए जरूरी है कि हम स्वच्छ व हरित ऊर्जा को अपनाएं। तेल, गैस एवं कोयले के भंडार कम हो रहे हैं और महंगे भी हैं। इसलिए हमें ग्रीन एनर्जी का प्रयोग बढ़ाना होगा।

इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स उत्तर प्रदेश चैप्टर द्वारा निर्माण में हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग विषय पर आयोजित दो दिवसीय गोष्ठी को संबोधित करते हुए यह बात टेक्नीकल एसोसिएट्स के सीएमडी विष्णु अग्रवाल ने कही। उन्होंने कहा कि विकास का अनियोजित मॉडल के चलते प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हो रहा है। इसे कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता है। बढ़ती आबादी के साथ ऊर्जा की मांग भी बढ़ती जा रहे है। देश में उत्पादित बिजली का लगभग 60 फीसद भवनों को रोशन करने में खर्च हो रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम ग्रीन बिल्डिंग का निर्माण करें। ऐसे भवन सूर्य के प्रकाश, हवा, हरियाली का भरपूर उपयोग कर ऊर्जा प्राप्त करते हैं। ऐसे भवनों में ध्यान रखना होगा कि बाहर से बिजली-पानी का प्रयोग न करना पड़े।

मुख्य वक्ता ऊषा बाजपेई ने कहा कि बीसवीं शताब्दी के 70 वें दशक में पूरे विश्व मेन ऊर्जा संकट ने मानव को चेतावनी देते हुए सोचने को मजबूर कर दिया था। इसलिए हरित भवन के निर्माण पर जोर देना होगा। कार्यक्रम के संयोजक एवं अध्यक्ष प्रो. भरत राज सिंह ने संस्था के कार्यकलापों की जानकारी दी। आर के त्रिवेदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।